सत्र 2022–23
मासिक शैक्षिक पंचाग
कक्षा–12
विषय– हिन्दी

क्र0सं0	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
2	मई	पद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास वासुदेव शरण अग्रवाल – राष्ट्र का स्वरूप भारतेन्दु हरिश्चन्द्र– प्रेम–माधुरी, यमुना छवि
3	जून	ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	हिन्दी कहानी का संक्षिप्त परिचय, कहानी के तत्व इत्यादि जातक कथा संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' – गंगावतरण अयोध्या सिंह उपाध्या 'हरिऔध' – पवन–दूतिका मैथिलीशरण गुप्त – कैकेयी का अनुताप, कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'– रावर्ट नर्सिंग होम में
5	अगस्त	जयशंकर प्रसाद – श्रद्धा–मनु सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'– बादल–राग, सुमित्रानन्दन पंत – नौका–विहार, बापू के प्रति संस्कृत व्याकरण– प्रत्यय, विभक्ति परिचय डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी– अशोक के फूल पं0 दीनदयाल उपाध्याय–प्रगति के मानदण्ड फणीश्वर नाथ 'रेणु' – पंचलाइट
6	सितम्बर	आत्मज्ञ एवं सर्वज्ञः, नृपतिर्दिलीप महर्षिदयानन्दः खण्ड काव्य – आधा भाग महादेवी वर्मा – गीत संस्कृत व्याकरण– (सन्धि, समास) रामधारी सिंह 'दिनकर'– अभिनव मनुष्य

7	अक्टूबर	प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी – भाषा और आधुनिकता सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'– मैंने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा निबन्ध – (विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, कृषि आदि पर आधारित) अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।
8	नवम्बर	संस्कृत व्याकरण– (शब्द रूप, धातु रूप, प्रत्यय एवं विभक्ति परिचय) सुभाषितरत्नानि, संस्कृत व्याकरण– संस्कृत में अनुवाद काव्य सौन्दर्य के तत्व– रस, छन्द, अलंकार डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम – तेजस्वीमन के सम्पादित अंश दूतवाक्यम्, खण्डकाव्य– (शेष भाग)
9	दिसम्बर	शिवप्रसाद सिंह– कर्मनाशा की हार पंचशील–सिद्धान्ताः, महामना मालवीयः, निबन्ध–(जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, राजनैतिक चेतना आदि विषय पर आधारित)
10	जनवरी	अमरकान्त – बहादुर संस्कृत व्याकरण, पढ़ाये गये पाठों की पुनरावृत्ति
11	फरवरी	प्री–बोर्ड परीक्षा का आयोजन
12	मार्च	बोर्ड परीक्षा का आयोजन

<u>नोट–</u> लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम करने के लिए हटाये गये पाठों के नाम–

<u>गद्य–</u>

1– जैनेन्द्र कुमार– भाग्य और पुरुषार्थ

2– हरिशंकर परसाई– निन्दारस।

<u>पद्य–</u>

1– जगन्नाथ रत्नाकर– उद्धव प्रसंग

2– मैथिली शरण गुप्त– गीत

3– जयशंकर प्रसाद– गीत

4– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– संध्या सुंदरी।

5– सुमित्रानंद पन्त– परिवर्तन।

6– रामधारी सिंह दिनकर– पुरूरवा, उर्वशी।

7– विविधा–

नरेन्द्र शर्मा– मधु की एक बूँद

भवानी प्रसाद मिश्र– बूँद टपकी एक नभ से।

गजानन माधव मुक्तिबोध– मुझे कदम कदम पर

गिरिजा कुमार माथुर– चित्रमय धरती।

धर्मवीर भारती– सांझ के बादल।

कथा साहित्य–

1– भीष्म साहनी– खून का रिश्ता

2– शिवानी– लाटी।

संस्कृत दिग्दर्शिका –

1– भोजस्यौदार्यम्

2– ऋतुवर्णनम्

संस्कृत और हिन्दी व्याकरण

1– व्यंजन संधि– तोर्लि, अनुस्वारस्ययय‍ि पर सवर्णः।

2– विसर्ग संधि – अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि।

3– समास– बहुब्रीहि।

4– संज्ञा– राजन्, जगत् सरित।

5– सर्वनाम– सर्व, इदम्, यद।

6– धातु रूप– (परस्मैपदी) दा, कृ, चुर्

7– प्रत्यय– तब्यत्, अनीयर्।

वतुप्

विभक्ति– स्वधालंबषट्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम।

काव्य सौन्दर्य के तत्व– छन्द–

1– वर्णवृत्त– इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)

2– मुक्तक– मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)